



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 23 मई, 2026

- ❖ **विषय:** (i) अगले 7 दिनों के दौरान मध्य भारत में, 23 से 26 मई के दौरान पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत में और 24 से 29 मई के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत में लू से भीषण लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है।
- ❖ (ii) अगले 4-5 दिनों के दौरान केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, उत्तर-पूर्वी भारत और पूर्वी भारत के आस-पास के क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

**दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (परिशिष्ट I):**

- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 23 मई 2026 को दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के अधिकांश हिस्सों में और आगे बढ़ गया है।
- ❖ 23 मई 2026 को मानसून की उत्तरी सीमा 7°N/60°E, 7°N/70°E, 7°N/75°E, 8°N/80°E, 10°N/85°E, 13.5°N/90°E और 17°N/95°E से होकर गुजरती है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के शेष हिस्सों में और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। अगले 3-4 दिनों के दौरान।

**आज, 23 मई, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:**

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ बिहार, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, पंजाब, असम और मेघालय, ओडिशा में 50-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई, जबकि बिहार, तेलंगाना, हरियाणा, पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद और झारखंड में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।
- ❖ विदर्भ के अधिकांश स्थानों पर लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रही; पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश, दक्षिणी हरियाणा, उत्तरी तेलंगाना, छत्तीसगढ़ से सटे पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिमी झारखंड और उत्तरी आंतरिक ओडिशा के कुछ छिटपुट स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही।

**आज सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:**

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान (22-05-2026 तक): कल, मध्य भारत, उससे सटे उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान 45-47°C के बीच रहा और पूर्वोत्तर भारत, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर देश के शेष भागों में 40-45°C रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.2°C ब्रह्मपुरी (विदर्भ) में दर्ज किया गया।

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान में अंतर (22-05-2026 तक): कल, उत्तराखंड में अधिकतम तापमान सामान्य से (5 से 7°C) अधिक रहा और पूर्वी मध्य भारत, पूर्वोत्तर भारत, उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पूर्वोत्तर राजस्थान में (2 से 5°C) अधिक रहा।
- ❖ रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान (23-05-2026 तक) ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, मराठवाड़ा, राजस्थान, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम भारत, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर भारत के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था और देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास था।

### मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान और चेतावनी (परिशिष्ट II और III):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ जम्मू और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है।
- ❖ पंजाब से दक्षिण-पश्चिम राजस्थान तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ दक्षिण बिहार और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम बिहार के ऊपर स्थित इस ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-दक्षिण गर्त फैला हुआ है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर स्थित पछुआ हवाओं में एक गर्त, जिसका अक्ष लगभग 90° पूर्व देशांतर के अनुदिश 23° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ दक्षिण-पूर्व में, मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है, जो उंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकता है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ 28 मई, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

### उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

#### पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 23 और 25 मई को असम और मेघालय में तथा 23 मई को नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 25 से 27 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 26 मई को असम और मेघालय में तथा 23 और 24 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। साथ ही, 23 और 24 मई को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है। 23 से 25 मई के दौरान असम और मेघालय में।

#### दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 23 से 26 मई के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) के साथ व्यापक हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 23 से 26 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट से लेकर मध्यम हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है; 26 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 24, 26 और 27 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 25, 26

और 27 मई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 24 से 26 मई के दौरान रायलसीमा में; और 23 से 27 मई के दौरान तेलंगाना में।

- ❖ 23 से 25 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 23 और 25 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में, 23 और 24 मई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, और 23 मई को रायलसीमा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 23 से 26 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, 24 से 27 मई के दौरान लक्षद्वीप में, 23 से 27 मई के दौरान केरल और माहे में, और 23 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में छिटपुट भारी वर्षा की भी संभावना है।
- ❖ 23 और 25 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, और 25 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

#### **पूर्वी भारत:**

- ❖ 23 से 29 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, और 23 से 27 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 24 से 29 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 23 और 26 से 29 मई के दौरान झारखंड में, 24, 28 और 29 मई को बिहार में, और 24 से 27 मई के दौरान ओडिशा में, छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 23 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में, और 24 और 25 मई को झारखंड में, गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है। बिहार में 23 मई और 25-27 मई के दौरान बारिश की संभावना है।
- ❖ निकोबार द्वीप समूह में 23 और 24 मई को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, और बिहार में 25 और 26 मई को भारी बारिश की संभावना है; साथ ही उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 और 24 मई को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

#### **उत्तर-पश्चिम भारत:**

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 23 से 25 मई के दौरान, हिमाचल प्रदेश में 23 और 29 मई को, और उत्तराखंड में 23 और 25 मई को छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 23, 28 और 29 मई को, और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23 और 24 मई को छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 29 मई को छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।

#### **पश्चिम भारत**

- ❖ 23 और 24 मई को कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और 23 मई को मराठवाड़ा में छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

#### **अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:**

- ❖ हिमालय के पश्चिमी क्षेत्र में 27 मई तक अधिकतम तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि की संभावना है और 28 और 29 मई को कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में आज अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा और 24 से 27 मई के दौरान 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद 28 और 29 मई को 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ पूर्वी भारत में 26 मई तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा और 27 से 29 मई के दौरान 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।

- ❖ तेलंगाना में 26 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद 27 से 29 मई के दौरान इसमें लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में भी 29 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

#### लू, उमस और गर्मी की चेतावनी:

- ❖ 23 से 29 मई के दौरान उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है; इसी अवधि में पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ 24 से 29 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, साथ ही 24 से 27 मई के दौरान कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ 23 से 29 मई के दौरान राजस्थान के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, साथ ही पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ 23 से 26 मई के दौरान तेलंगाना के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 23 से 25 मई के दौरान पश्चिमी झारखंड के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है। बिहार में 23 और 24 मई को; आंतरिक ओडिशा में; छत्तीसगढ़ में 23 से 27 मई के दौरान।
- ❖ 23 से 24 मई के दौरान गंगा के पश्चिमी बंगाल, तटीय ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 23 और 24 मई को तथा तमिलनाडु में 23 मई को गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।
- ❖ 23 से 27 मई के दौरान आंतरिक ओडिशा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और विदर्भ में 23 और 24 मई को कुछ इलाकों में रात गर्म रहने की प्रबल संभावना है।

#### मछुआरों के लिए चेतावनी:

##### मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** 23 से 28 मई के दौरान मन्नार की खाड़ी में; 23 से 26 मई के दौरान दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 26 और 27 मई को दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में। 23 और 24 मई को दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर; 23 मई को अंडमान सागर पर।
- ❖ **अरब सागर:** 23 मई को केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश भाग, दक्षिण-पश्चिमी और पश्चिम-मध्य अरब सागर के सटे भागों पर; 24 मई को केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र, मालदीव क्षेत्र से सटे भागों, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी अरब सागर के कुछ भागों पर; 25 मई को केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और मालदीव क्षेत्र से सटे भागों पर; 26 मई को केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और मालदीव क्षेत्र से सटे भागों पर; 27 मई को केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और मालदीव क्षेत्र से सटे भागों पर। 23 से 26 मई के दौरान सोमालिया के तट के साथ-साथ और उससे दूर, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे क्षेत्रों में; 26 और 27 मई को सोमालिया के तट के साथ-साथ और उससे दूर क्षेत्रों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 23 से 26 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: बीच टी.जी. (18)
- ❖ असम और मेघालय: अकबरपुर (16)
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: ओयान (10)
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: कमालपुर (10)
- ❖ बिहार: पूर्णिया (7)

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ उत्तराखंड: चमोली 78, हम्पावत 63, जौलीग्रंट 50, रुद्रप्रयाग 48, चौबटिया\_रानीखेत 46, मुक्तेश्वर 43
- ❖ हिमाचल प्रदेश:हमीरपुर 65
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तालेगांव पुणे 61, नारायणगांव पुणे 54
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: खौपम 57, इम्फाल 56, पोरोम्पैट 50, सैकुल 43,
- ❖ असम और मेघालय: मानस 54, अकबरपुर 52
- ❖ ओडिशा: गुनुपुर 52
- ❖ पंजाब: रूपनगर 50, मोहाली 48
- ❖ बिहार: राजगीर 48
- ❖ तेलंगाना: घाटकेसर 46, कावेरी सिद्दीपेट 44, दुल्लापल्ली 42, इब्राहिमपटनम 42, पेद्दापल्ली 41
- ❖ हरियाणा: पंचकुला 46, करनाल 41
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: उज्जैन 44, आगर 43
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 44
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: कठुआ43
- ❖ झारखंड: पाकुड़ 41

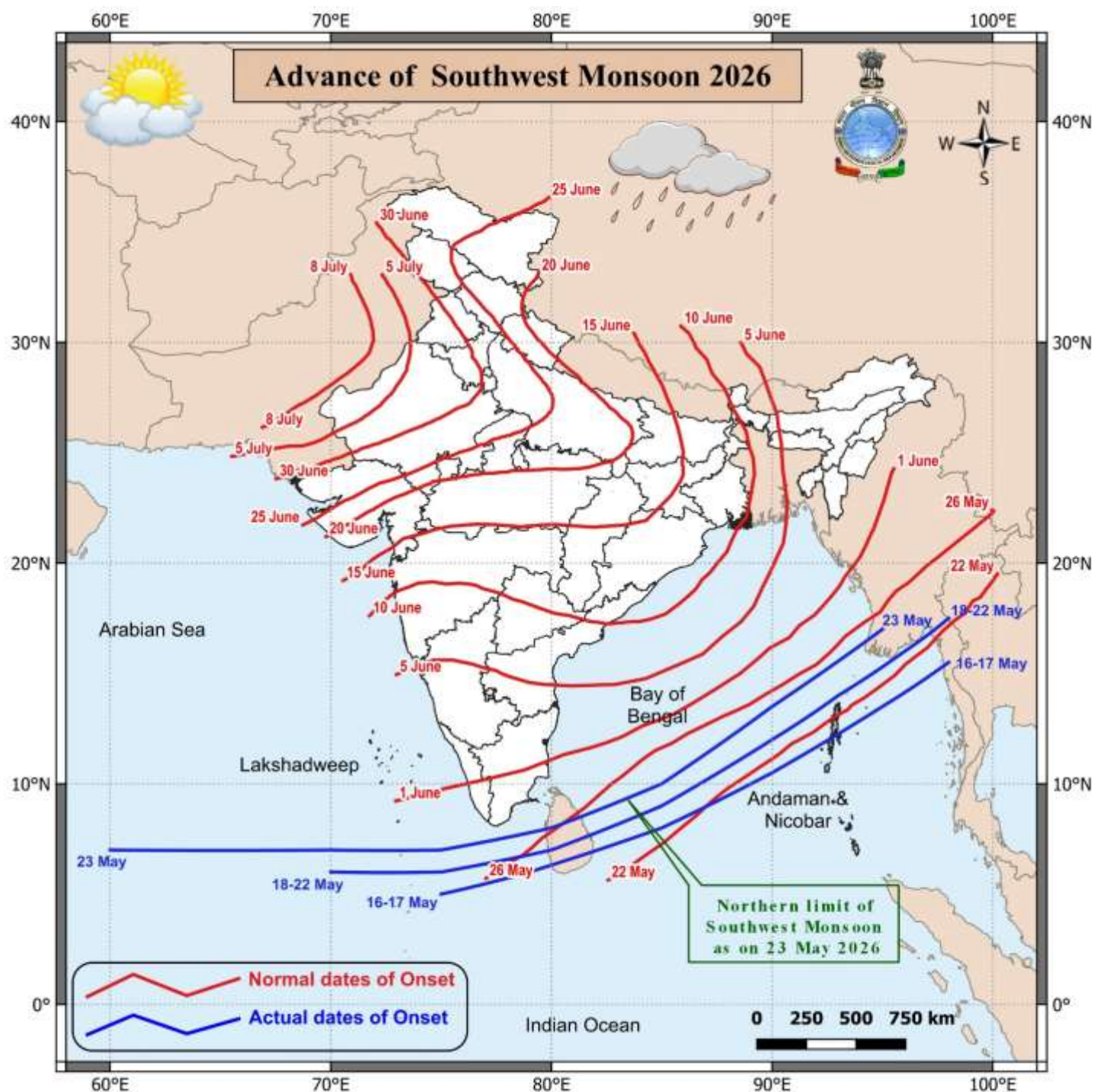
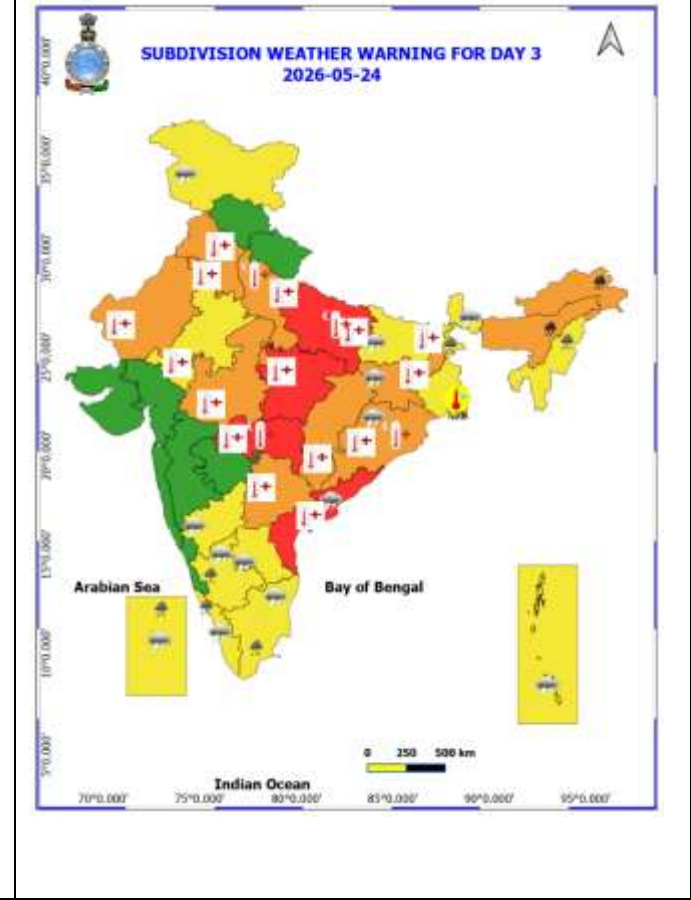
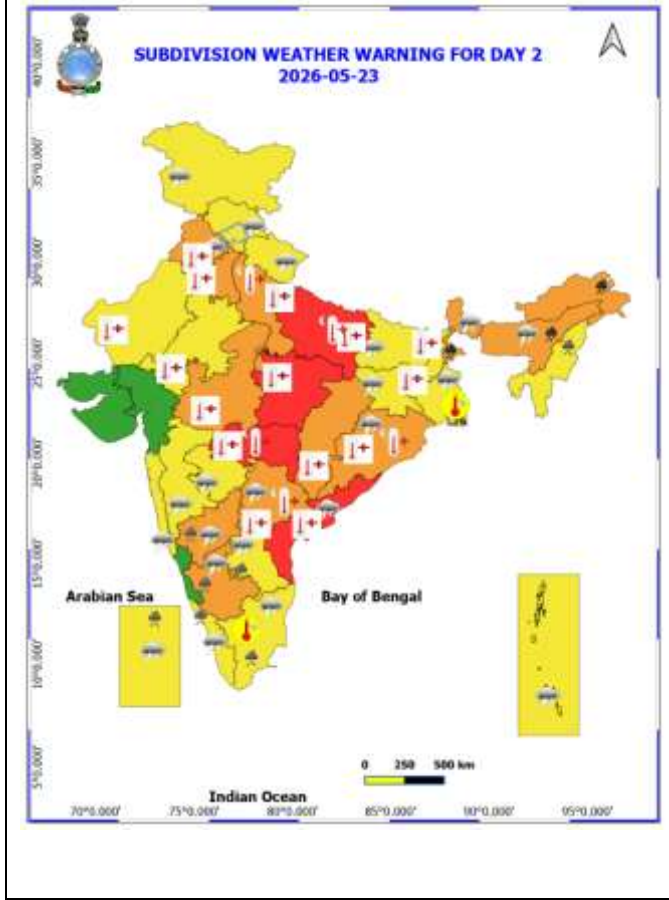
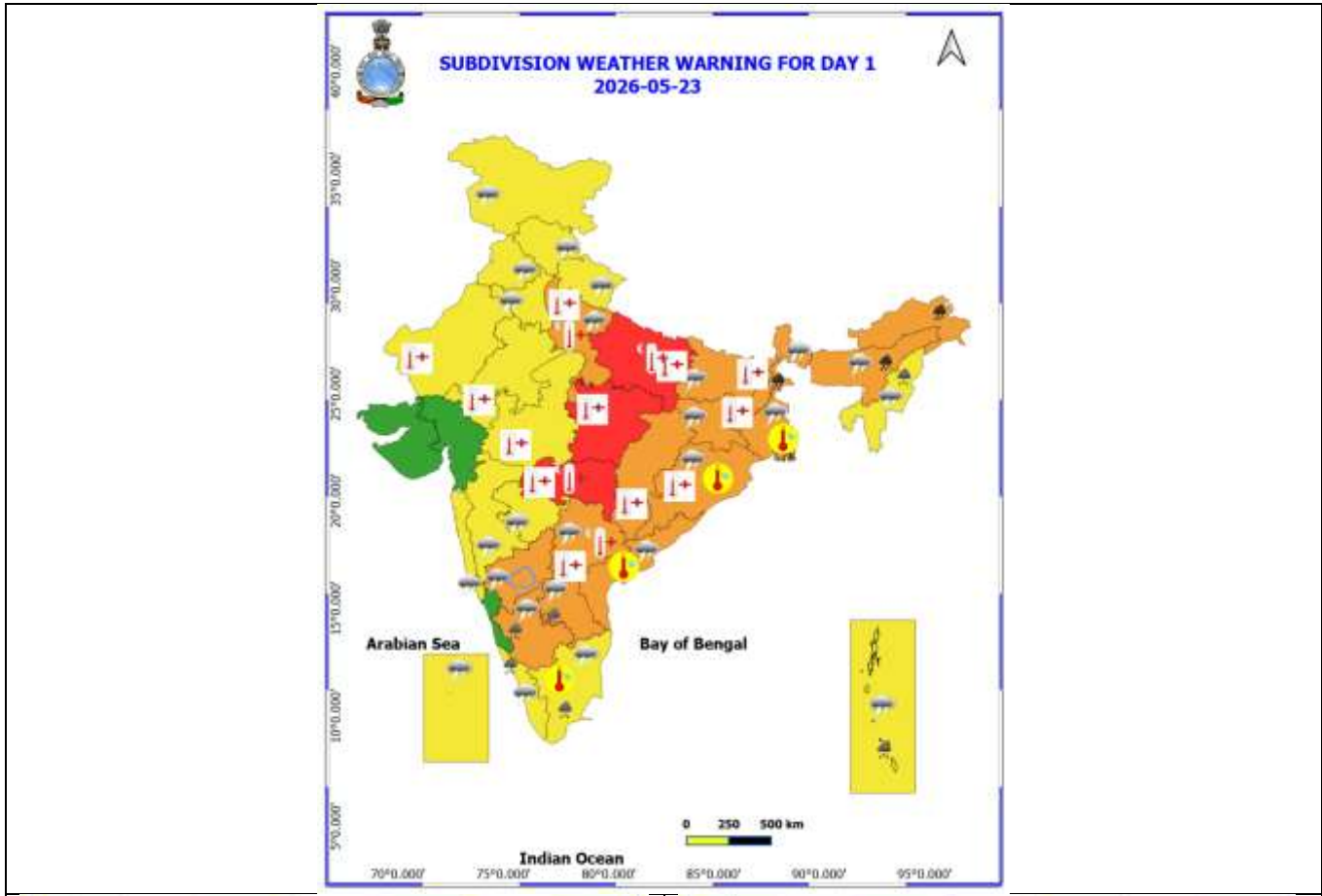
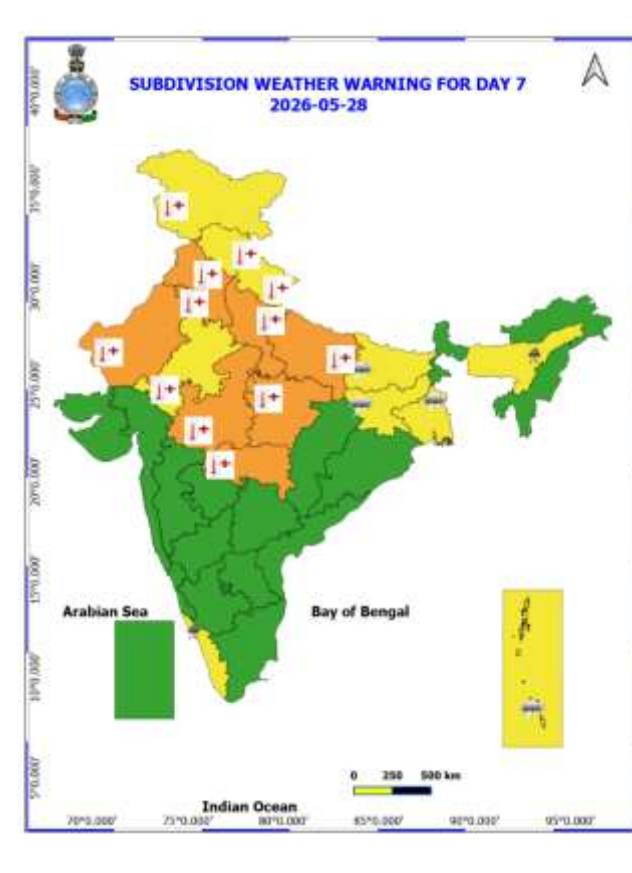
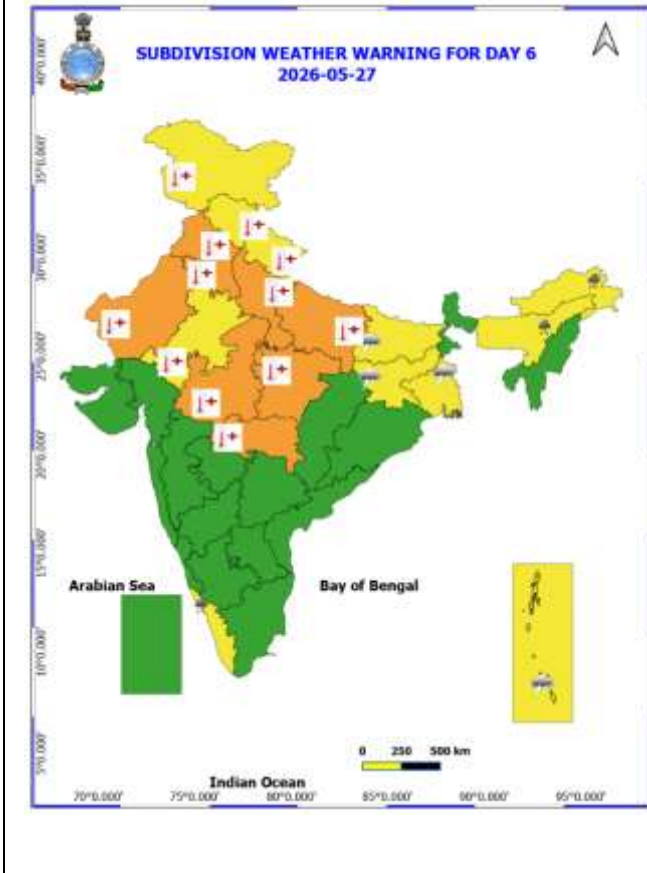
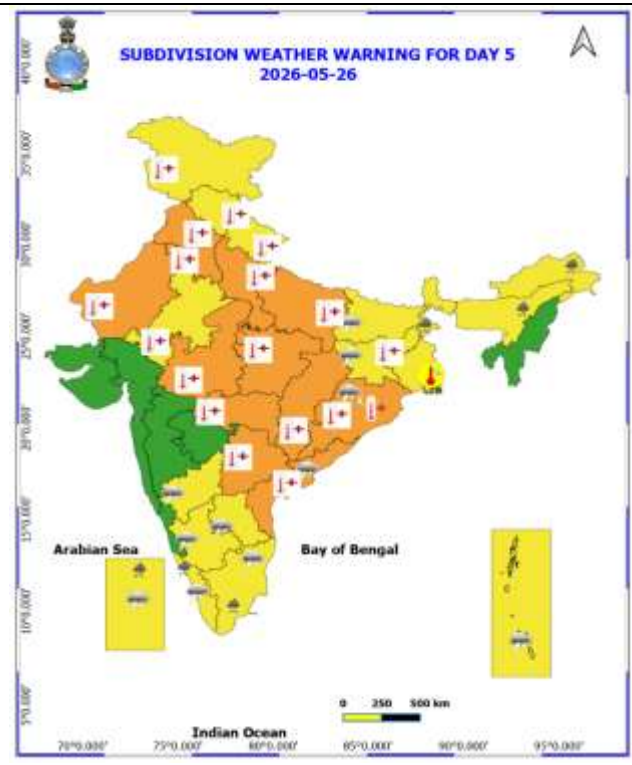
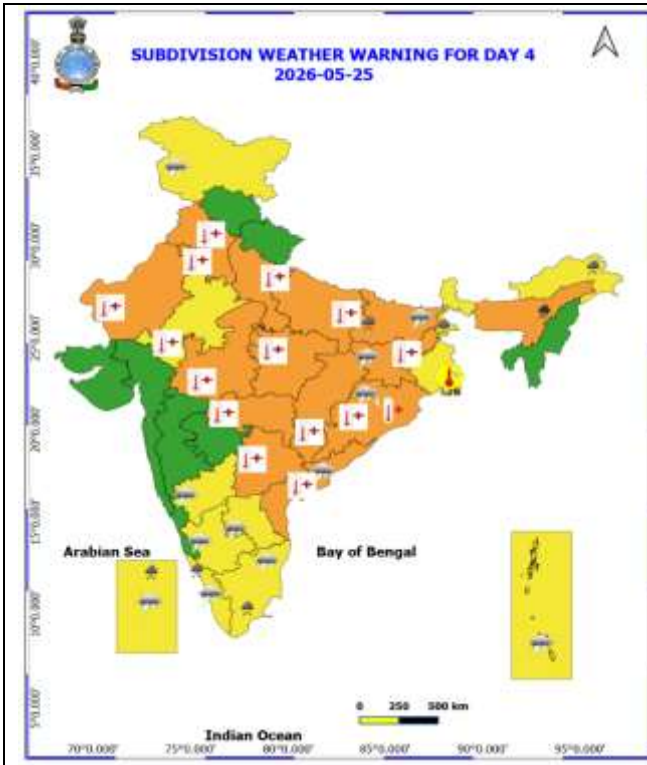


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	23- May	24- May	25- May	26- May	27- May	28- May	29- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	SCT	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

**23 मई से 26 मई 2026 तक दिल्ली/एनसीआर का मौसम पूर्वानुमान**

**पिछले मौसम का पूर्वानुमान:**

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में लगभग 1°C और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 43-44°C और न्यूनतम तापमान 27-29°C के बीच रहा। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और शेष स्थानों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और शेष स्थानों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में मुख्यतः साफ आसमान रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिनकी गति कभी-कभी 36 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। आज सुबह दक्षिण-पश्चिम दिशा से क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश के साथ धूल भरी आंधी चलने की संभावना है, जिसकी सतही हवा की गति 25 किमी प्रति घंटे तक और कभी-कभी 81 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

**मौसम पूर्वानुमान:**

23.05.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली/धूल भरी आंधी और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलेंगी, जिनकी गति कभी-कभी 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 41°C से 43°C के बीच रहने की संभावना है। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

24.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

25.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा, दोपहर तक आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दोपहर से शाम तक गरज के साथ बारिश हो सकती है। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 45 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 29°C से 31°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 22 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के दौरान पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

26.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 45 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, जबकि कुछ स्थानों पर यह सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से होगी और सुबह के समय इसकी गति 22 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 22 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

### गर्मी की लहर के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: गर्मी की लहर की आशंका है; हालांकि, तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। स्वास्थ्य संबंधी मध्यम जोखिम हो सकते हैं, विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों जैसे संवेदनशील समूहों के लिए।
- सलाह: लंबे समय तक धूप में रहने से बचें। हल्के, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

### छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 23 से 25 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, 23 और 25 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, 23 और 24 मई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, 23 मई को रायलसीमा, 23 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा, 24 और 25 मई को झारखंड, 23 मई को बिहार और 25 से 27 मई के दौरान गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 23 और 25 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, 25 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और 29 मई को हिमाचल प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

### संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

### सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

## भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 25 से 27 मई के दौरान, असम और मेघालय में 26 मई को, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 23 और 24 मई को, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में 23 से 26 मई के दौरान, लक्षद्वीप में 24 से 27 मई के दौरान, केरल और माहे में 23 से 27 मई के दौरान, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में 23 मई को, निकोबार द्वीप समूह में 23 और 24 मई को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार में 25 और 26 मई को भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश में 23 और 24 मई को, असम और मेघालय में 23 से 25 मई के दौरान, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 और 24 मई को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

## संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

## सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

## ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान मध्य भारत में, 23 से 26 मई के दौरान पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत में और 24 से 29 मई के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

## चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।

- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

#### ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

#### भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। कटी हुई पतागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- असम और मेघालय में, फसलों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- नागालैंड में, निचले इलाकों और फसलों के खेतों (आलू, कंगनी) में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। मक्के के खेत को स्थानीय रूप से उपलब्ध मलच (जैसे कि फसल के अवशेष या धान का पुआल) से ढककर रखें। केले के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा (Propping) दें।
- मणिपुर में, सोयाबीन और मूंगफली की बुवाई को कुछ समय के लिए टाल दें। अतिरिक्त बारिश के पानी को बाहर निकाल दें और मौजूदा बारिश का दौर थमने के बाद फसल में 'टॉप-ड्रेसिंग' (ऊपर से खाद डालना) करें। फसलों के खेतों (मिर्च, अदरक, हल्दी, केला, आदि) में बारिश का पानी लंबे समय तक जमा न रहने दें।
- मिजोरम में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास के मलच का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें भी सहारा (Propping) दिया जाना चाहिए।
- त्रिपुरा - सब्जियों, तरबूज और फलों के बागों वाले खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, अदरक, टमाटर, मक्का, करेला और 'डाले खोरसानी' के खेतों में जल निकासी के उचित रास्ते बनाए रखें। टमाटर और 'डाले खोरसानी' के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें। पकी हुई फसलों की कटाई जल्द से जल्द कर लें और उन्हें सूखी जगहों पर सुरक्षित रूप से भंडारित करें। नर्सरियों और छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए उन पर अस्थायी आवरण डालें।
- तमिलनाडु में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- केरलम में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- आंध्र प्रदेश - रायलसीमा में - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियाँ और फलों के बागों जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।

#### उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पंजाब में सब्जियों, मूंग के बागों और प्याज की नर्सरियों में हल्की और नियमित सिंचाई करें।

- **हरियाणा** में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **बिहार** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **ओडिशा में** - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में - रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों को आवश्यकतानुसार सिंचाई दें; सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मल्लिचंग का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- **तेलंगाना में** - आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।

#### **तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

#### **पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन**

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

#### **किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:**

**भारी बारिश:** 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

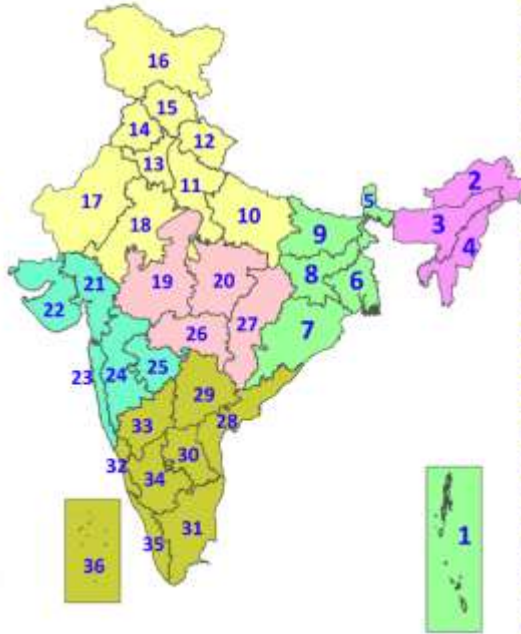
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

### मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- |                      |                      |              |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog                  | Heavy Snow           | Cold Wave    |
| Heavy Rain           | Dust Storm           | Cold Day     |
| Very Heavy Rain      | Heat Wave            | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night           |              |
| Thunder & Lightning  | Hot Day              |              |
| Hailstorm            | Hot & Humid          |              |
| Dust Raising Winds   | Strong Surface Winds |              |

### COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

### DEFINITION/CRITERIA

#### Rain/ Snow \*

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm \*

#### Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\geq 30^{\circ}\text{C}$  for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 45^{\circ}\text{C}$ .

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is  $>4.5^{\circ}\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^{\circ}\text{C}$

#### Warm Night

When maximum temperature remains  $40^{\circ}\text{C}$

Warm Night: When minimum temperature departure  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure  $>6.4^{\circ}\text{C}$ .

#### Cold Wave

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^{\circ}\text{C}$

#### Cold Day

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

#### Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility  $< 50$  metres

#### Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

#### Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

#### Frost

Ice deposits on ground

Air temperature  $\leq 4^{\circ}\text{C}$  ( over Plains)

#### Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed  $>87$  kmph

#### Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed  $>117$  kmph ( $>63$  knots) & Wave height  $>14$  metre

#### Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed  $>220$  kmph ( $>119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)